1. 'कर्तन दहन' (Slash and Burn) कृषि को किस प्रकार की खेती कहा जाता है?

A. गहन निर्वाह खेती B. आदिम निर्वाह खेती
C. व्यावसायिक खेती D. बागवानी खेती (B)

व्याख्या: आदिम निर्वाह खेती में किसान जंगल की जमीन को काटकर जलाते हैं और पारंपरिक औजारों का प्रयोग करते हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी फसल ज़ायद ऋतु में उगाई जाती है?

A. गेहूं B. चावल
C. तरबूज D. चना (C)

व्याख्या: ज़ायद फसलें जैसे तरबूज गर्मियों के छोटे मौसम में उगाई जाती हैं, जो रबी और खरीफ के बीच होता है।

3. भारत में मूँगफली का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य कौन-सा है?

A. तमिलनाडु B. राजस्थान
C. गुजरात D. कर्नाटक (C)

व्याख्या: वर्ष 2019–20 के अनुसार, गुजरात मूँगफली का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सी दलहनी फसल मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है?

A. चावल B. मक्का
C. तूर (अरहर) D. गेहूं (C)

व्याख्या: तूर जैसी दलहनी फसलें मिट्टी में नाइट्रोजन जोड़ती हैं, जिससे उसकी उर्वरता बढ़ती है।

5. भारत के किस क्षेत्र में चावल की तीन फसलें - औस, अमन और बोरों - उगाई जाती हैं?

A. पंजाब B. असम
C. हरियाणा D. राजस्थान (B)

व्याख्या: असम, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में साल में चावल की तीन फसलें ली जाती हैं।

6. व्यावसायिक खेती की मुख्य विशेषता क्या है?

A. पारंपरिक औजारों का उपयोग B. सामूहिक श्रम
C. उन्नत बीज और रासायनिक इनपुट का उपयोग
D. छोटी जोत की भूमि (C)

व्याख्या: व्यावसायिक खेती में अधिक उत्पादन हेतु HYV बीज, उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोग किया जाता है।

7. निम्नलिखित में से कौन-सी रेशा फसल काली मिट्टी और उच्च तापमान में अच्छी तरह उगती है?

A. जूट B. भांग
C. रेशम D. कपास (D)

व्याख्या: कपास काली मिट्टी में और उच्च तापमान के साथ कम वर्षा में अच्छी उपज देती है।

8. किस फसल को 'स्वर्ण रेशा' कहा जाता है?

A. कपास B. भांग
C. जूट D. रेशम (C)

व्याख्या: जूट को उसके रंग और आर्थिक महत्व के कारण 'स्वर्ण रेशा' कहा जाता है।

9. भारत में अधिकांश लोगों की मुख्य भोजन फसल कौन-सी है?

A. गेहूं B. चावल
C. मक्का D. बाजरा (B)

व्याख्या: चावल भारत की मुख्य खाद्य फसल है और देश इसका दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

10. वह कौन-सा कृषि सुधार था जिसमें जमींदारों ने गरीबों को भूमि दान दी?

A. ऑपरेशन फ्लड B. हरित क्रांति
C. भूदान आंदोलन D. किसान क्रेडिट कार्ड (C)

व्याख्या: भूदान आंदोलन में विनोबा भावे के नेतृत्व में जमींदारों ने भूमिहीन किसानों को भूमि दान की।